



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 17 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बने डिप्रेशन के असर से, अगले 2 दिनों के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 17 अगस्त, 2026 को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में, तथा 18 अगस्त, 2026 को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश हो सकती है।

आज, 17 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ ओडिशा में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ असम, हिमाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड, बिहार और पश्चिमी मध्य प्रदेश में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ कल उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र और मजबूत हो गया। कल 14:30 बजे IST पर यह उसी इलाके में एक 'अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव' (well-marked low) के रूप में था, और 05:30 बजे IST पर उसी इलाके में एक 'डिप्रेशन' (depression) में बदल गया। यह उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटों पर स्थित है। इसके अगले 24 घंटों के दौरान पहले उत्तर-उत्तर-पश्चिम और फिर उत्तर-पश्चिम की ओर गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार से होकर गुजरने की बहुत संभावना है।
- ❖ शियर ज़ोन (Shear Zone) अब लगभग 22°N अक्षांश के साथ मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में निचले और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच राजस्थान के मध्य भागों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर जम्मू डिवीज़न और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जिसके साथ मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर इसकी धुरी के ऊपर एक ट्रफ (trough) भी है, जो लगभग 70°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 17 से 22 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 17 से 23 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 अगस्त को पंजाब में; 18 अगस्त और 21-22 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 17 अगस्त और 21-22 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 17-23 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 23 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17-23 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 17-20 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 17 अगस्त और 19-21 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 18-23 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 17-19 अगस्त के दौरान पंजाब में; 17-18 अगस्त और 21 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 17 अगस्त और 21-22 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 18-19 अगस्त और 22-23 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 20-22 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 18 अगस्त को हिमाचल प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 17 अगस्त को उत्तराखंड में; और 17 अगस्त व 20-21 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17-21 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 17-23 अगस्त; विदर्भ में 17-18 अगस्त और 21-23 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 17-19 अगस्त और 22-23 अगस्त के दौरान काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 22-23 अगस्त; विदर्भ में 19-20 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 20-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 18-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17 अगस्त और 20-23 अगस्त; पूर्वी मध्य प्रदेश में 20-23 अगस्त; विदर्भ में 17 अगस्त; छत्तीसगढ़ में 17 अगस्त और 19 अगस्त को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही पूर्वी मध्य प्रदेश में 17-19 अगस्त और छत्तीसगढ़ में 18 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 17 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 17 से 23 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 17 से 19 अगस्त और 23 अगस्त को झारखंड में; 17 से 19 अगस्त के दौरान बिहार में; और 17 से 20 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20 से 22 अगस्त के दौरान झारखंड में; 20 से 23 अगस्त के दौरान बिहार में; और 21 से 23 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 17 से 23 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और बिहार में; 17 से 19 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 18 अगस्त को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 18 से 21 अगस्त के दौरान झारखंड और ओडिशा में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 17 से 21 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 17 से 18 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 18 से 19 अगस्त के दौरान झारखंड में; 17 अगस्त और 19 से 20 अगस्त को बिहार में; 17 अगस्त और 21 से 23 अगस्त को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 17 अगस्त को झारखंड में; और 18 अगस्त को बिहार और ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 17 अगस्त को ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, और 18 अगस्त को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 17 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 17-21 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 17-23 अगस्त के दौरान असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- ❖ 22-23 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 17-20 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना; 17-21 अगस्त के दौरान असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- ❖ 17-18 अगस्त के दौरान और 20-22 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 17-23 अगस्त के दौरान असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 17 से 23 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में; और 17 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 से 23 अगस्त के दौरान मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में; और 18 से 23 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 से 19 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 17 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 17 से 23 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; 21 से 23 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 17 से 20 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; और 17 से 23 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 अगस्त को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 17 से 21 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 17 से 21 अगस्त के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18 से 19 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 18 अगस्त को केरल और माहे में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 से 21 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- ❖ 18 अगस्त तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास 45-55 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति झोंकों के साथ 65 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 18 अगस्त की सुबह तक गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उत्तरी तटीय ओडिशा में 35-45 किमी/घंटा की रफ़्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति झोंकों के साथ 55 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। साथ ही, 18 अगस्त की सुबह से अगले 12 घंटों तक दक्षिणी झारखंड और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी इलाकों और उत्तरी छत्तीसगढ़ में भी ऐसी ही हवाएं चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ 18 अगस्त तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है; इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होगी।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 18 अगस्त तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

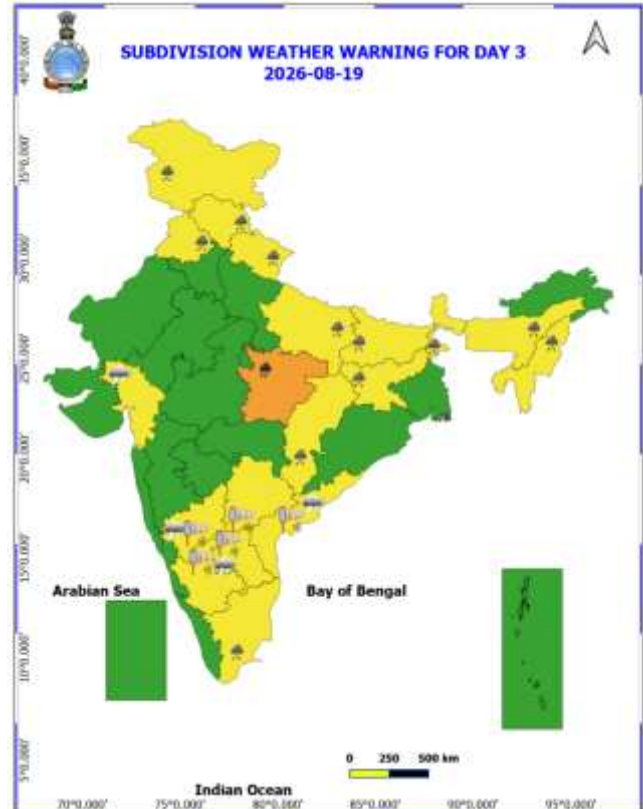
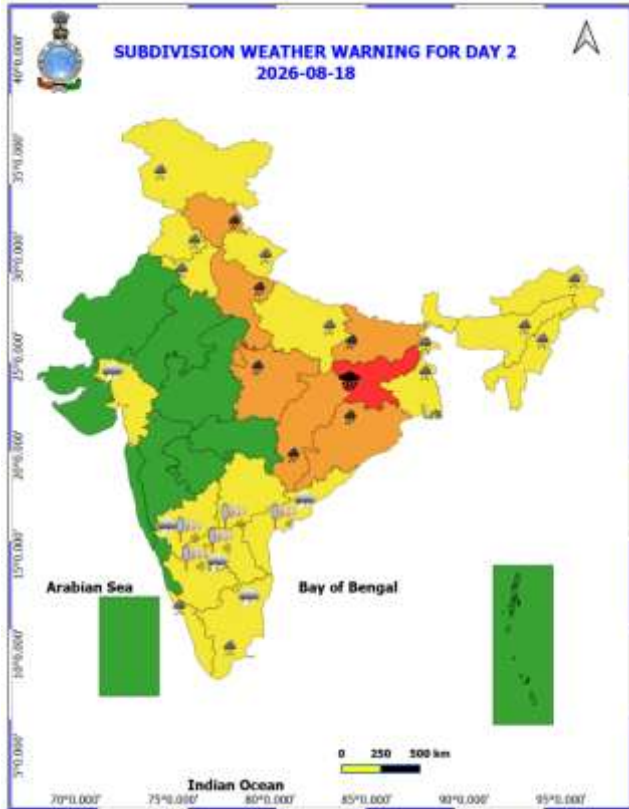
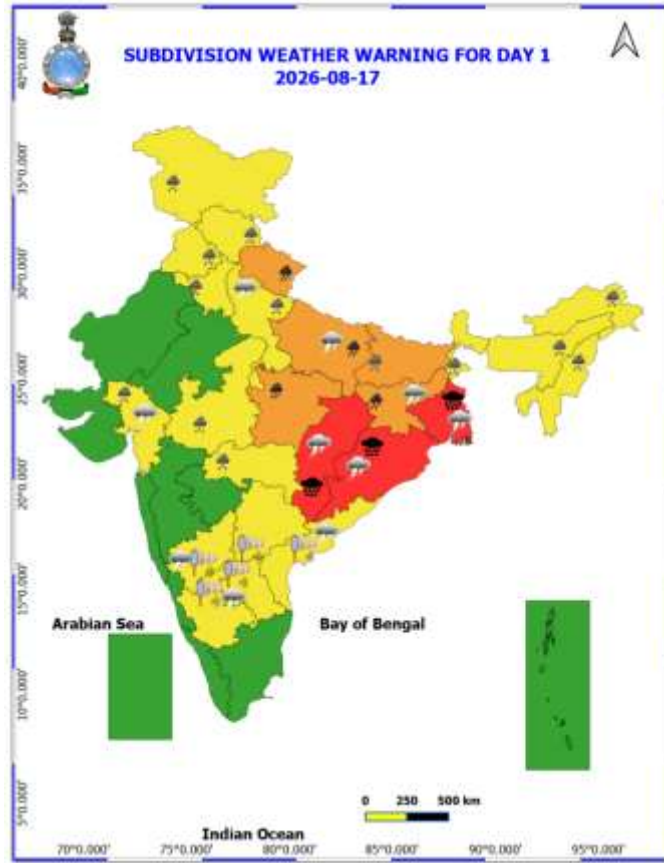
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

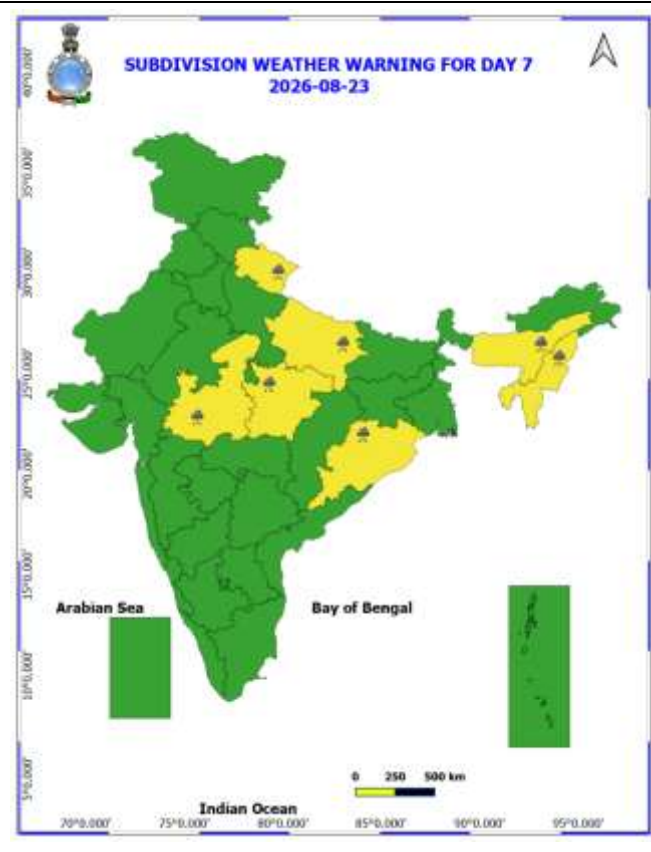
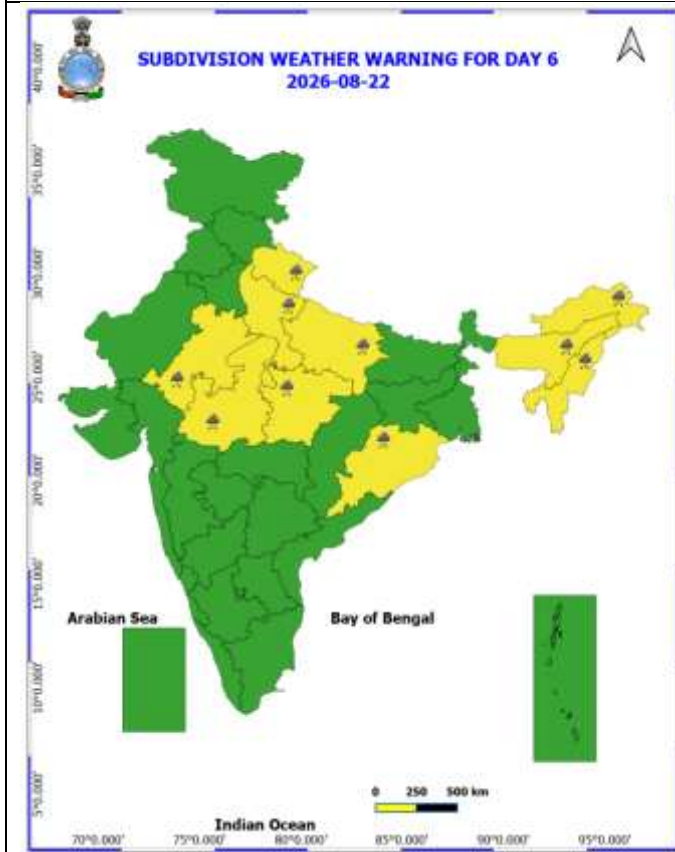
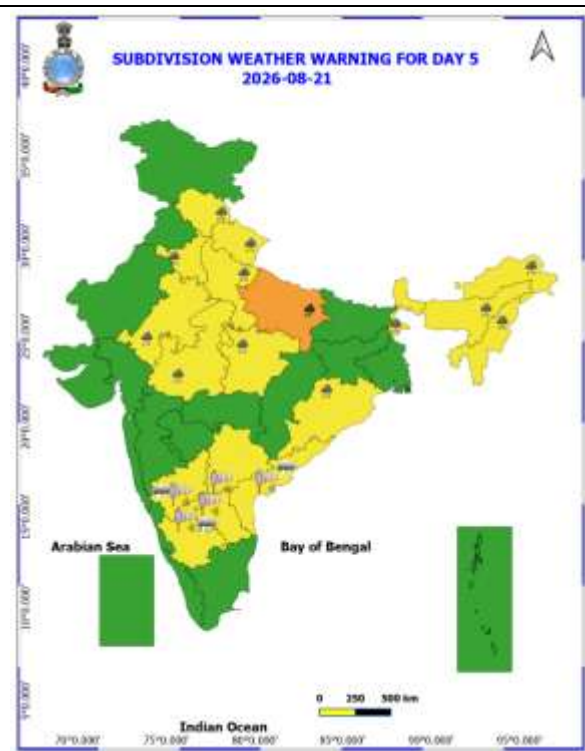
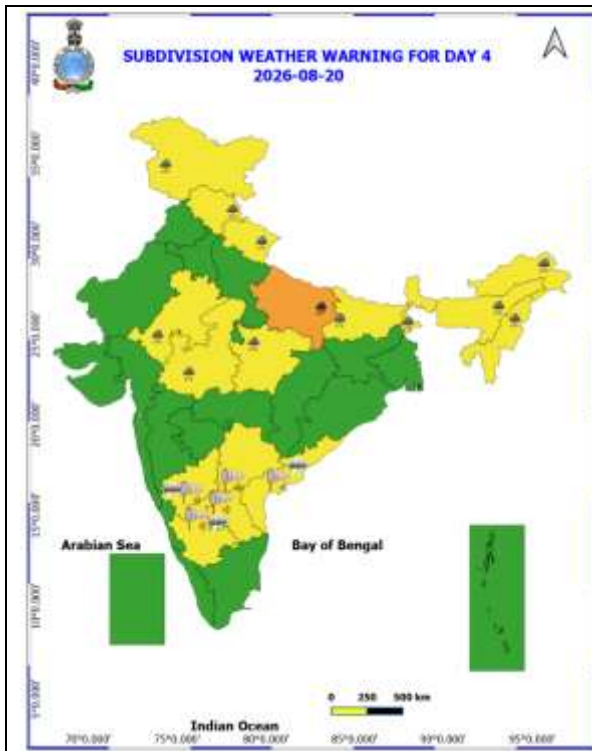
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ ओडिशा: भोगोराई- 22
- ❖ उत्तराखंड: लिति 17
- ❖ उत्तर प्रदेश: बहेड़ी (बरेली)-14, चुरक (सोनभद्र)-15
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: सागर 14
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सिहोरा (जबलपुर) 12
- ❖ असम: बोको 10
- ❖ बिहार: धालभूमगढ़ 9
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरबा 9
- ❖ झारखंड: मंझारी 8
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: लहार (भिंड) 7
- ❖ सिक्किम: इंडोंग 7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कटौला 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	17- Aug	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

17 अगस्त से 20 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-34°C और न्यूनतम तापमान 24-28°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा रही। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

17.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि कुछ अलग-अलग जगहों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 16 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 14 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

18.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

19.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31°C से 33°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी।

20.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 17 अगस्त को छत्तीसगढ़, ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में और 18 अगस्त को झारखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ पश्चिम बंगाल में, अमन धान, जूट, धान की नर्सरी और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का लगातार और असरदार इंतज़ाम करें और निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। पानी की निकासी के रास्तों को साफ़ रखें और बाढ़ से बचाने के लिए धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ें मज़बूत करें। बारिश के दौरान खाद और कीटनाशक न डालें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार जूट, चाय की पत्तियाँ और सब्जियाँ काट लें; उपज को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ ओडिशा में, खरीफ़ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केला, सब्जियों के खेतों और नर्सरी की क्यारियों से अतिरिक्त पानी की लगातार और असरदार निकासी पक्की करें। खेतों की नालियों, पानी निकलने के रास्तों और मेड़ों को साफ़ और चालू हालत में रखें। पानी भरे इलाकों में, मक्का और मूँग की बुवाई/दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेत में पानी जमा न होने दें। सब्जियों, केले, पपीते और बागवानी के छोटे पौधों को सहारा दें। टमाटर, मिर्च और बैंगन की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से बचाएँ और पानी भरे खेतों में धान और बागवानी की फ़सलों की रोपाई तब तक टाल दें जब तक मिट्टी की हालत ठीक न हो जाए।
- ❖ झारखंड में, मक्का, अरहर और खेत में खड़ी दूसरी फ़सलों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। जिन इलाकों में अरहर की बुवाई अभी पूरी नहीं हुई है, वहाँ मिट्टी की हालत ठीक होने तक बुवाई टाल दें। गीले मौसम में खाद डालने और फ़सल की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूँगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स) और दालों के खेतों और खेत में खड़ी दूसरी फ़सलों से पानी की लगातार और असरदार निकासी पक्की करें। बेल वाली सब्जियाँ जैसे करेला, लौकी और कद्दू-वर्गीय सब्जियों को सहारा दें। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई टाल दें।

- ❖ बिहार में, धान, मक्का, दालों और खेत में खड़ी दूसरी फसलों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी सही ढंग से निकालने का इंतज़ाम करें और गीले मौसम में खाद और कीटनाशक न डालें। धान की रोपाई और केले व जिमीकंद (ओल) की बुवाई तभी जारी रखें जब खेत की हालत ठीक हो।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, अदरक, लहसुन, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), मडुआ (फिंगर मिलेट), टमाटर और खेत में खड़ी दूसरी फसलों में पानी की सही और असरदार निकासी बनाए रखें। धान की रोपाई तभी जारी रखें जब खेत की हालत ठीक हो और मूँगफली, सोयाबीन और मक्के की बुवाई तब तक टाल दें जब तक हालात ठीक न हो जाएँ। तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, धान, अरहर, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों से, खासकर निचले इलाकों से, अतिरिक्त पानी निकाल दें। बैंगन, मिर्च और अगेती फूलगोभी की नर्सरी तैयार करने और कद्दू-वर्गीय फसलों (जैसे खीरा, लौकी) व भिंडी की बुवाई का काम वहीं जारी रखें जहाँ खेत की स्थिति इसके अनुकूल हो।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, मक्का, रागी, सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और बागों में जल-जमाव से बचने के लिए पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों व बागों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। निचले इलाकों वाले खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकालें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। मेघालय में, मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी सुनिश्चित करें और अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था रखें और पानी जमा न होने दें। गीले मौसम में खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें और जहाँ ज़रूरी हो, कमज़ोर या गिरने की आशंका वाली फसलों को सहारा (स्टेकिंग) दें।
- ❖ सिक्किम में, जल-जमाव से बचने के लिए सब्जियों के खेतों, बागों, धान और रागी की नर्सरी में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ रखें। भारी बारिश से मिर्च के पौधों को बचाने के लिए प्लास्टिक कवर का इस्तेमाल करें और धान व सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में, दालों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें और कद्दू-वर्गीय पौधों को उचित सहारा दें। मक्के के खेतों में, खासकर भारी बारिश के बाद, पानी की निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, अदरक और हल्दी के खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ और चालू रखें और मक्के के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालने की व्यवस्था करें। जहाँ खेत की स्थिति अनुकूल हो, वहाँ तैयार खीरा, लौकी, करेला, चिचिंडा, तोरई और नेनुआ की तुड़ाई करें।
- ❖ पंजाब में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें। खेत में काम तभी दोबारा शुरू करें जब मिट्टी की स्थिति अनुकूल हो जाए।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। बारिश के दौरान सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और पानी की निकासी वाली नालियों को साफ रखें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, कपास, गन्ना, सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। सब्जियों और लंबी फसलों को सहारा (स्टेकिंग) दें ताकि वे गिरें नहीं और खरीफ की सब्जियों की बुवाई तब तक टाल दें जब तक अतिरिक्त पानी निकल न जाए और खेत की स्थिति बुवाई के अनुकूल न हो जाए।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।

- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक बाढ़ के बारे में जानकारी:

18-08-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ - बलरामपुर, बिलासपुर, जशपुर, कबीरधाम, कोरबा, कोरिया, मुंगेली, सूरजपुर और सरगुजा जिले।

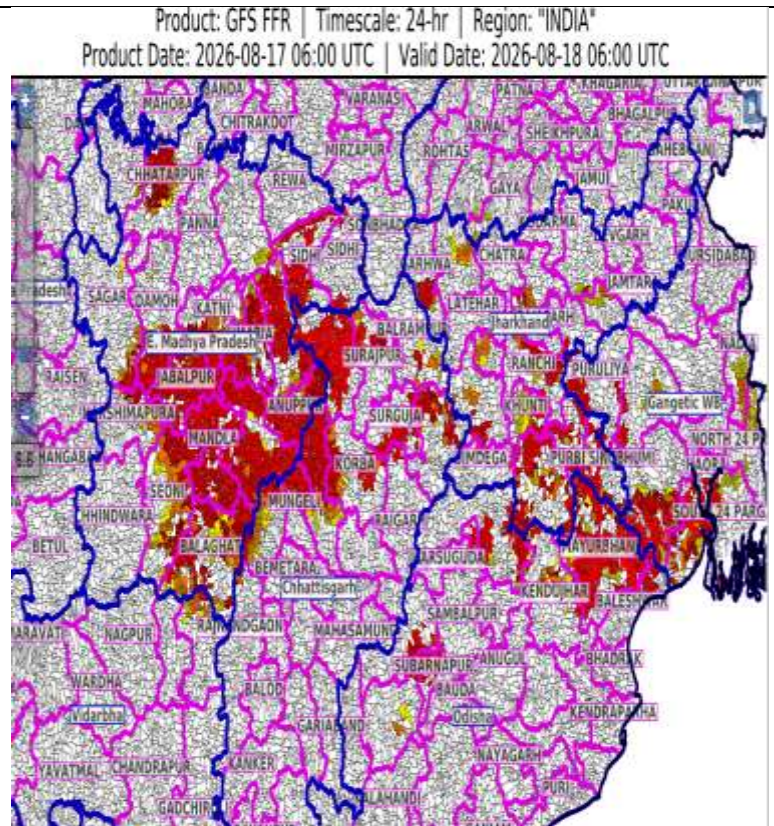
पूर्वी मध्य प्रदेश-अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, दमोह, डिंडोरी, जबलपुर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, सागर, सिवनी, शहडोल, सीधी और उमरिया जिले।

ओडिशा - बलांगीर, बालासोर, बारगढ़, क्यौंझरगढ़, मयूरभंज, सोनपुर और सुंदरगढ़ जिले।

गांगेय पश्चिम बंगाल - बांकुरा, पूर्वी मिदनापुर, हावड़ा, झाड़ग्राम, नादिया, उत्तर 24 परगना, पुरुलिया, दक्षिण 24 परगना और पश्चिम मिदनापुर जिले।

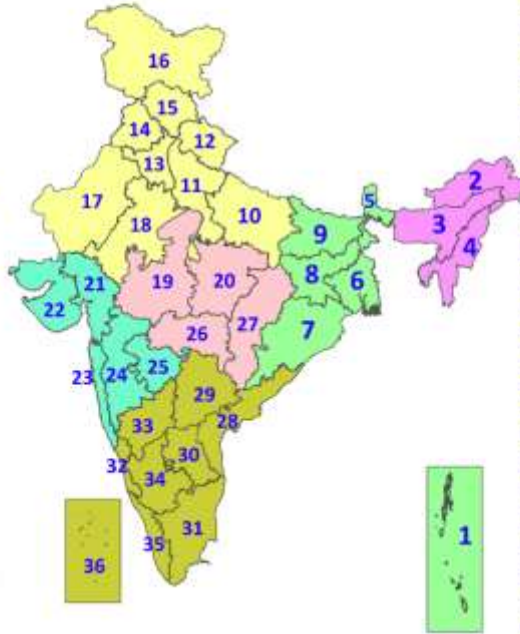
झारखंड - धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लोहरदगा, पलामू रांची, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम जिले।

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)